चुस्त स्टूडेंट सदा पास का पुरुषार्थ करते
सुस्त को तो मित्र -संबधी ही याद आते
बाप आया संमुख अपना सब कुछ सफल करना
हिम्मत रख अनेकों के भाग्य बनाने की निमित्त बनना
इस शारीर रूपी दुम को भूल कर्मातीत अवस्था को पाना
याद की करनी मेहनत
खुदाई खिदमतगार बनना
रियल्टी अर्थात असली स्वरुप की स्मृति
रियल्टी अर्थात एक बाप दूसरा न कोई
रीयल का संग पारस का का काम करता
रीयल ही होते रॉयल बाप समान संपन्न

फर्स्ट डिवीजन की अधिकारी आत्मा बनती
श्रेष्ठ कर्म का बढ़ाओ खाता
तो ही होगा सम्पाप्त विकर्मो का खाता

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!